सरगम 1

पाठ 1. वर्णों का मेल

पाठ की भूमिका

इस पाठ का उद्देश्य बच्चों को दो, तीन और चार वर्णों से बने शब्दों से परिचित कराना है। वर्णों के जोड़ से बने शब्दों की पहचान करने और उन्हें सीखने से बच्चों की शब्द-संपदा समृद्ध होगी। इस पाठ का व इससे संबंधित अभ्यास प्रश्नों का निर्माण करते समय यह ध्यान रखा गया है कि बच्चों में स्व-जागरूकता का कौशल विकसित हो।

पाठ का सार

दो, तीन व चार वर्णों के मेल से बने कुछ शब्दों के उदाहरण चित्र में दिए गए हैं। इसके साथ ही कुछ अन्य शब्द भी दिए गए हैं जिन्हें बोल-बोलकर याद करना है।

अध्यापन संकेत

- **मूल पाठ के लिए संकेत**

  बच्चों को दिए गए शब्दों के चित्र बारी-बारी से पहचानने को कहें। फिर उनके नाम बताने को कहें। चित्रों के माध्यम से इन शब्दों का ज्ञान आसानी से हो सकेगा। चित्र के अतिरिक्त कुछ अन्य शब्द भी दिए गए हैं। उन शब्दों का वाचन उच्चारणसहित करवाएँ। शब्दों के उच्चारण पर विशेष बल दें। पाठ में आए शब्दों के अतिरिक्त कुछ अन्य शब्द बतलाने के लिए भी प्रोत्साहित किया जा सकता है।

- **अभ्यास प्रश्नों के लिए संकेत**
  - **मौखिक प्रश्न** के अंतर्गत छोटे-छोटे वाक्य दिए गए हैं। उन्हें लय में पढ़ने के लिए बच्चों को प्रोत्साहित करें। शब्दों के उच्चारण, बलाघात, आदि पर विशेष ध्यान दें। जहाँ गलती की संभावना हो वहाँ स्वयं उच्चारण करके बताएँ और बच्चों से अनुसरण करने को कहें।
  - **बूझो पहेली** के अंतर्गत दिए गए खानों में छूटे अक्षर भरने में बच्चों की सहायता करें। खानों में बने शब्दों के जोड़ों पर उनका ध्यान आकृष्ट करें कि वे मिलते-जुलते तुक वाले शब्द हैं। मिलते-जुलते तुक वाले कुछ अन्य शब्दों के उदाहरण दिए जा सकते हैं, जैसे - रथ - नथ - **पथ**, महल - कमल - **सफल**,
    अचकन - पचपन - **बचपन**।
  - **लिखित कार्य** के अंतर्गत दो प्रकार के प्रश्न हैं। पहले प्रश्न में वर्णों को जोड़कर शब्द बनवाएँ। ब्लैकबोर्ड पर कुछ अन्य उदाहरण लिखकर बच्चों से शब्द बनवाए जा सकते हैं। दूसरे प्रश्न में उचित शब्द चुनकर वाक्य पूरे करने हैं। बच्चों से उचित शब्द चुनने का कारण पूछें। इससे उनकी तार्किक क्षमता का विकास होगा।
- **क्रियाकलाप के लिए संकेत**
  - यह गतिविधि एक प्रकार की अंत्याक्षरी का खेल है जिसे अपनी निगरानी में करवाएँ। जब खेल को आगे बढ़ाने में कठिनाई महसूस हो, तब उनकी सहायता करें।